

राजीव गौबा
Rajiv Gauba



सत्यमेव जयते



संदेश

मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा अभिव्यक्ति का सर्वाधिक विश्वसनीय माध्यम है। भाषा सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। विविध बोली-भाषाओं और संस्कृति वाले भारत जैसे विशाल देश में हिंदी एक समृद्ध भाषा के रूप में यह भूमिका स्पष्ट रूप से निभा रही है। पूरे देश में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। तब से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

आज भारत में नई-नई तकनीकों में भी हिंदी भाषा का उपयोग किया जा रहा है और इस प्रकार देश के आर्थिक विकास में भी हिंदी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, चाहे वह 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना हो या फिर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना। विगत वर्षों में सरकार का हिंदी के प्रचार-प्रसार पर अधिक बल दिए जाने से अब हिंदी में कार्य करना आसान हो गया है जो सरकारी कामकाज में बढ़ रहे हिंदी के प्रयोग में परिलक्षित होता है।

हिंदी दिवस के अवसर पर भारत सरकार के समस्त कार्यालयों में कार्यरत सभी वरिष्ठ अधिकारी और कार्मिक यह संकल्प लें कि हम अपने सरकारी कामकाज में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करेंगे। इससे हिंदी का व्यापक स्तर पर संवर्धन होगा और हमारे राष्ट्र का गौरव बढ़ेगा।

आइए, हम राजभाषा हिंदी के प्रति अपने संवैधानिक दायित्व और शासकीय प्रतिबद्धता को दोहराएं और निश्चय करें कि हम अपना अधिक से अधिक कार्य सरल और सुबोध हिंदी में करेंगे।

जय हिंद।

(राजीव गौबा)

के. संजय मूर्ति, भा.प्र.से.

सचिव

K. SANJAY MURTHY, IAS

Secretary

Tel. : 011-23386451, 23382698

Fax : 011-23385807

E-mail : secy.dhe@nic.in



सत्यमेव जयते



भारत सरकार
Government of India
शिक्षा मंत्रालय
Ministry of Education
उच्चतर शिक्षा विभाग

Department of Higher Education
127 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001
127 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001

अपील

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिंदी दिवस का आयोजन हमारे लिए प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के प्रगामी उपयोग को नए जोश और उत्साह से करने की प्रेरणा का भी कार्य करता है।

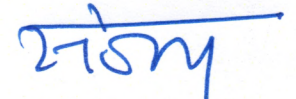
राजभाषा नीति के अनुसार शिक्षा मंत्रालय के लिए, 'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण, हिंदी पत्राचार के संबंध में शत-प्रतिशत लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुझे इसका संतोष है कि मंत्रालय के 80% अधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है और हम हिंदी पत्राचार का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

मेरा मानना है कि हिंदी में काम करना कठिन नहीं है क्योंकि यह अत्यधिक समावेशी एवं स्वीकार्य भाषा है। अधिकारी सरकारी कार्यों में हिंदी की समृद्ध और रोजमर्रा की अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। नोटिंग और ड्राफ्टिंग एवं सरकारी पत्राचार आदि में भी यह परिलक्षित होना चाहिए।

सभी अधिकारियों से अनुरोध है कि वे अपने-अपने सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और अन्य अधिकारियों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें।

जय हिन्द।

नई दिल्ली, 14 सितंबर, 2023


(के. संजय मूर्ति)

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE